समुद्र स्वाद 2025

कृषि व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र, भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, वृत्ति फाउंडेशन और दरियावर्दी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने संयुक्त रूप से धारावी में 11 महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल के एक अंग के रूप में, धारावी कोली जमात ट्रस्ट के सहयोग से समुद्र स्वाद 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को अपने समुद्री खाद्य उत्पादों और उद्यमशीलता के उपक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों, उत्पादक कंपनियों, संस्थागत प्रतिनिधियों और स्थानीय हितधारकों सहित कुल 210 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., 11 स्वयं सहायता समूहों, दो उत्पादक कंपनियों के स्टॉल थे तथा इसमें ब्यूटीप्रेन्योर कार्यक्रम और डब्ल्यु.ए.एस.एच. कार्यक्रम जैसी पहलें भी शामिल थीं, जिनके माध्यम से कार्यक्रमों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को निर्बाध लेनदेन के लिए एक संरचित कूपन–आधारित प्रणाली के माध्यम से आयोजित किया गया था, इस कार्यक्रम में महिला मत्स्य विक्रेताओं और स्थानीय ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए धारावी में बैनर और अन्य सामग्रियों के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किए गए। कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ भी किए गए। यह कार्यक्रम धारावी के खुले मैदान में आयोजित किया गया, जहाँ प्रत्येक स्टॉल के लिए 10x15 फीट का स्थान उपलब्ध कराया गया था।

भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. ने संस्थागत मार्गदर्शन और इनकुबेशन की सुविधा प्रदान करके महिलाओं के नेतृत्व वाले मत्स्य पालन उद्यमों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. के कृषि–व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र के प्रभारी डॉ. एस.पी. शुक्ला, डॉ. परामिता बनर्जी सावंत, डॉ. लयाना पी, श्री ललित जाधव, सुश्री उज्ज्वला पाटिल, श्री डोमिनिक जोसेफ और श्री सारंग पांडे ने रेडी–टू–ईट कियोस्क और रोटी बनाने के प्रसंस्करण केंद्र जैसी प्रमुख पहलों का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व में मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पादन को बढ़ाना है। डॉ. एस.पी. शुक्ला और श्री ललित जाधव द्वारा भविष्य में सहयोग के लिए एक औपचारिक पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे मत्स्य पालन उद्यमियों के लिए दीर्घकालिक समर्थन को मजबूती मिलेगी। डॉ. एस.पी. शुक्ला ने मत्स्य उद्यमिता में भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. की भूमिका और संस्थान के कृषि–व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र के माध्यम से प्रदान की गई इनकुबेशन सहायता का परिचय दिया, जबकि एनएआईएफ–एबीआई की शोध छात्रा श्रीमती स्नेहल परब ने भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई और इसके क्षेत्रीय केंद्रों के कृषि व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र के माध्यम से महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों और स्टॉल प्रस्तुतियों का मूल्यांकन भी शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप उत्कृष्ट समूहों को पुरस्कार दिए गए। इनकुबेशन समर्थन, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार–पहुंच के अवसरों पर प्रस्तुतियों के माध्यम से मत्स्य उद्यमिता के लिए भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. के निदेशक और कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. और संस्थान के बौद्धिक संपदा एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई एवं कृषि व्यवसाय इनकुबेशन इकाई का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

Samudra Swad 2025

The Agribusiness Incubation Centre (ABIC), ICAR-Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Vrutti Foundation, and Daryavardi Producer Company Ltd. (FFPO) jointly organized an awareness program for 11 women Self-Help Groups (SHGs) in Dharavi. As part of this initiative, Samudra Swad 2025 was held in collaboration with Dharavi Koli Jamat Trust, providing a platform for SHG members to showcase their seafood products and entrepreneurial ventures. The event witnessed a total of 210 participants, including SHG members, producer companies, institutional representatives, and local stakeholders. It featured stalls of ICAR-CIFE, 11 SHG groups, two producer companies, and initiatives like the Beautyprenuer program and WASH program offering detailed information. The program was organized through a structured coupon-based system for seamless transactions, the event saw extensive outreach efforts, including banners and flyers across Dharavi to attract women fish vendors and local customers. Several key milestones and inaugurations were also undertaken during the program. The event was conducted in open grounds in Dharavi, where individual 10x15 ft canopies were provided for each stall.

ICAR-CIFE played a pivotal role in supporting women-led fisheries enterprises by facilitating institutional guidance and incubation. Dr. S.P. Shukla, Incharge of the Agri-Business Incubation Centre, ICAR-CIFE, Dr. Paramita Banerjee Sawant, Dr. Layana P, Mr. Lalit Jadhav, Ms. Ujwala Patil, Mr. Dominic Joseph, and Mr. Sarang Pande, inaugurated key initiatives such as ready-to-eat kiosks and a roti-making processing center, aimed at enhancing SHG-led value-added seafood production. A formal letter of cooperation was signed by Dr. S.P. Shukla and Mr. Lalit Jadhav, reinforcing long-term support for fisheries entrepreneurs. Dr. S P Shukla introduced ICAR-CIFE's role in fisheries entrepreneurship and the incubation support provided through ABIC-CIFE, while Mrs. Snehal Parab, Research Scholar, NAIF-ABI, elaborated on the facilities, scope and the opportunities available to women entrepreneurs through Agribusiness Incubation Centre of ICAR-CIFE , Mumbai and its regional centres. The event also included evaluations of SHG pitches and stall presentations, culminating in awards for outstanding groups. CIFE’s continued commitment to fisheries entrepreneurship was emphasized through presentations on incubation support, technical guidance, and market access opportunities. The program concluded with a vote of thanks, acknowledging the leadership of Dr. Ravishankar C.N., Director & Vice Chancellor, ICAR-CIFE**,** and the institutional contributions of the IP & TM Unit and ABI-CIFE**.**

<u>कार्यक्रम की झलकियाँ/ Some highlights from the event:</u>

डॉ. एस.पी. शुक्ला, प्रभारी, कृषि-व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. और श्री ललित जाधव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दर्यावर्दी उत्पादक कंपनी द्वारा सहयोग संबंधी पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

Letter of cooperation signed between Dr. SP Shukla, Incharge, Agri-Business incubation centre ICAR-CIFE and Mr. Lalit Jadhav, Chief executive officer, Daryvardi Producer Company

डॉ. एस.पी. शुक्ला, प्रभारी, कृषि-व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. और श्री डोमिनिक जोसेफ, अध्यक्ष धारावी कोली जमात ट्रस्ट द्वारा कियोस्क का उद्घाटन

Inauguration of Kisoks by Dr. SP Shukla, Incharge, Agri-Business incubation centre ICAR-CIFE and Mr. Dominic Joseph, President, Dharavi Koli Jamat Trust

समुद्र स्वाद 2025 में महिला मत्स्य विक्रेताओं की भागीदारी
Women fish vendors participation in the Samudra Swad 2025

सर्वश्रेष्ठ स्टाल का पुरस्कार – जय कंडोबा महिला बचत गट
Awarded the best stall presentation - Jai Kandoba Mahila Bachat Gat

समुद्र स्वाद 2025 में कृषि-व्यवसाय इनकुबेशन केंद्र, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. का स्टाल

ABI-CIFE stall in Samudra Swad 2025